FULL STOP - 32

अव्यक्त बापदादा (14.03.1982)**:-**

➳ _ ➳ आज तो सिर्फ सैर समाचार सुनाया। अब देश-विदेश वाले प्रैक्टिकल में निशानियाँ स्पष्ट देख रहे हैं। आजकल जो बात होती तो कहते हैं 100 वर्ष पहले हुई थी। सब विचित्र बातें हो रही हैं। क्योंकि यह **विचित्र बाप को प्रत्यक्ष करेंगी।**

➳ _ ➳ सबके मुख से अभी यह आवाज़ निकल रहा है कि अब क्या होगा? यह क्वेश्चन मार्क सबकी बुद्धि में स्पष्ट हो गया है। अब फिर यह बोल निकलेंगे कि **जो होना था वह हो गया।** बाप आ गया। क्वेश्चन मार्क समाप्त हो, फुल स्टॉप लग जाएगा।

➳ _ ➳ जैसे मथनी से मक्खन निकाला जाता है तो पहले हलचल होती है बाद में मक्खन निकलता है। तो यह **क्वेश्चन मार्क रूपी हलचल के बाद प्रत्यक्षता का मक्खन निकलेगा।** अब तेजी से हलचल शुरू हो गई है। चारों ओर अब प्रत्यक्षता का मक्खन विश्व के आगे दिखाई देगा।

➳ _ ➳ लेकिन **इस मक्खन को खाने वाले कौन?** तैयार हो ना खाने के लिए सभी आप फ़रिश्तों का आह्वान कर रहे हैं।

➢➢ कभी भी खराब न होने वाला व्यक्तित्व कैसे अपनाएं ?

➳ _ ➳ ज्ञान की बूँदें मन पर डालना

→ दूध में छाछ डालने पर दही बनता है

- जो एक दिन चलेगा

➳ _ ➳ ज्ञान का मंथन करना

→ दही को मथने पर मक्खन बनता है

- जो शायद 3-4 दिन चलेगा

➳ _ ➳ योग से खुद को तपाना

→ मक्खन को गर्म करने पर घी बनता है

- जो कभी खराब नहीं होगा

➢➢ प्रतक्ष्यता **कैसे** होगी ?

➳ _ ➳ साक्षातकार के माध्यम से

➢➢ प्रतक्ष्यता **कब** होगी ?

➳ _ ➳ जब तुम संपन्न हो जाओगे

➳ _ ➳ जब तुम बाप समान बन जाओगे

➢➢ प्रतक्ष्यता क्यों होगी ?

➳ _ ➳ ताकि सभी भगवान के सही नाम , रूप जान पाएं

➢➢ प्रतक्ष्यता किन किन की होगी ?

➳ _ ➳ भगवान की

→ वो कहाँ रहता है ?

→ वो कौन है ?

→ वो कब आता है ?

→ वो आकर क्या करता है ?

→ उसका नाम क्या है ?

→ उसका रूप क्या है ?

→ तुम्हारा उससे सम्बन्ध क्या है ?

→ वो कैसे अवतरित होता है ?

→ वो किसमें अवतरित होता है ?

➳ _ ➳ हम ब्राह्मण बच्चों की

→ 7 रूपों में

- ज्योति बिंदु
- प्रकाश (लाइट)
- अल्लाह लोग
- फ़रिश्ता स्वरुप
- इष्ट देव
- हमारे द्वारा बाप का साक्षातकार (शंकर में शिव का साक्षातकार)
- पूर्वज आत्मा (विश्व की आधारमूरत, उद्धारमूरत आत्मा)

➳ _ ➳ ब्राह्मण परिवार की

→ भगवान जब धरा पर आया तो उसने इस परिवार की स्थापना की

➳ _ ➳ यग्य की

→ वह अंतिम यज्ञ जिसमे सारे विश्व की आहुति डाली गयी

→ यज्ञ की कोई boundry नहीं

- यज्ञ दिखाई नहीं देता... यज्ञ तो अद्दशय है...

➳ _ ➳ मधुबन भूमि की

→ सर्वोत्तम तीर्थ स्थान

→ जादू की नगरी

→ फरिश्तों की नगरी

→ सच्चा सच्चा हरिद्वार

→ भगवान की कर्मभूमि

➳ _ ➳ यथार्थ सम्पूरण सत्य ज्ञान की

➳ _ ➳ आतमाओं को खुद की प्रतक्ष्यता होगी की

→ हम कौन हैं ?